VIII मुद्रा प्रबंध

वर्ष के दौरान मुद्रा प्रबंध का फोकस पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ बैंकनोट संचलन में उपलब्ध कराने पर बना रहा। रिज़र्व बैंक ने लाइव-पायलट आधार पर e₹ (डिजिटल रुपया) आरंभ किया, मुद्रा प्रबंध परिचालन को इष्टतम बनाने के लिए एक अध्ययन किया और यूनिफ़ाइड पेमेंट इंटरफ़ेस (यूपीआई) का उपयोग करके क्विक रेस्पोंस (क्यूआर) कोड-आधारित सिक्का वेंडिंग मशीन पर पायलट परियोजना की अवधारणा बनाई।

VIII.1 वर्ष के दौरान, रिज़र्व बैंक ने अर्थव्यवस्था में स्वच्छ बैंकनोटों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की और साथ ही गंदे नोटों के निपटान की गति तेज बनी रही। रिज़र्व बैंक ने लाइव-पायलट आधार पर e₹ (डिजिटल रुपया)[1] के रिटेल और होलसेल स्वरूप को भी आरंभ किया, मुद्रा प्रबंध परिचालन को इष्टतम बनाने के लिए देश भर में एक अध्ययन किया तथा जनता तक और सुलभता से सिक्के पहुँचाने के लिए यूपीआई का प्रयोग कर क्विक रेस्पोंस (क्यूआर) कोड-आधारित सिक्का वेंडिंग मशीन पर पायलट परियोजना की अवधारणा बनाई।

VIII.2 इस पृष्ठभूमि में, अध्याय के शेष अंश को पांच भागों में व्यवस्थित किया गया है। इसके अगले भाग में वर्ष के दौरान संचलनगत मुद्रा में हुई महत्त्वपूर्ण घटनाओं को प्रस्तुत किया गया है। भाग 3 में 2022-23 की कार्ययोजना के कार्यान्वयन की स्थिति और साथ ही प्रमुख गतिविधियों को कवर किया गया है तथा भाग 4 में भारतीय रिज़र्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड (बीआरबीएनएमपीएल), जो रिज़र्व बैंक की पूर्णतः स्वाधिकृत सहायक कंपनी है, के संबंध में घटनाक्रम प्रस्तुत किया गया है। भाग 5 में 2023-24 की कार्ययोजना बताई गई है, जबकि अंतिम भाग में निष्कर्ष दिए गए हैं।

2. संचलनगत मुद्रा संबंधी घटनाक्रम

VIII.3 संचलनगत मुद्रा (सीआईसी) में बैंकनोट, सिक्के और e₹ आते हैं। e₹ वर्ष के दौरान लाइव-पायलट आधार पर आरंभ किया गया था। वर्तमान में, संचलनगत बैंकनोट में ₹2, ₹5, ₹10, ₹20, ₹50, ₹100, ₹200, ₹500और ₹2000 मूल्यवर्ग शामिल हैं। संचलनगत सिक्कों में 50 पैसे और ₹1, ₹2, ₹5, ₹10 और ₹20 मूल्यवर्ग के सिक्के शामिल हैं।

VIII.4 भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 22ए के अनुसार, अधिनियम की धारा 24 में निर्धारित मूल्यवर्ग डिजिटल स्वरूप के बैंकनोटों पर लागू नहीं होंगे। तदनुसार, e₹-रिटेल का लाइव-पायलट 50 पैसे, ₹1, ₹2, ₹5, ₹10, ₹20, ₹50, ₹100, ₹200, ₹500 और ₹2000 के मूल्यवर्ग में आरंभ किया गया है, जबकि e₹-होलसेल में कोई मूल्यवर्ग परिकल्पित नहीं किया गया है।

बैंकनोट

VIII.5 वर्ष 2022-23 के दौरान संचलनगत बैंकनोटों के मूल्य और मात्रा में क्रमशः 7.8 प्रतिशत और 4.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि 2021-22 के दौरान क्रमशः 9.9 प्रतिशत और 5.0 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई थी (सारणी VIII.1)। मूल्य के संदर्भ में, कुल संचलनगत बैंकनोटों में ₹500 और ₹2000 के बैंकनोटों का प्रतिशत 31 मार्च 2022 के 87.1 प्रतिशत की तुलना में, 31 मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार 87.9 प्रतिशत रहा। मात्रा के संदर्भ में, 31 मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार ₹500 के मूल्यवर्ग का भाग 37.9 प्रतिशत पर सबसे अधिक रहा, इसके बाद ₹10 मूल्यवर्ग के बैंकनोट रहे, जिनका कुल संचलनगत बैंकनोटों में प्रतिशत 19.2 था।

[1] केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी)।

सारणी VIII.1:संचलनगत बैंक नोट (मार्च-अंत)

मूल्यवर्ग (₹)	मात्रा (संख्या लाख में)			मूल्य (करोड़ ₹ में)		
	2021	2022	2023	2021	2022	2023
1	2	3	4	5	6	7
2 और 5	1,11,728	1,11,261	1,10,843	4,307	4,284	4,263
	(9.0)	(8.5)	(8.1)	(0.2)	(0.1)	(0.1)
10	2,93,681	2,78,046	2,62,123	29,368	27,805	26,212
	(23.6)	(21.3)	(19.2)	(1.0)	(0.9)	(0.8)
20	90,579	1,10,129	1,25,802	18,116	22,026	25,160
	(7.3)	(8.4)	(9.2)	(0.6)	(0.7)	(0.8)
50	87,524	87,141	85,716	43,762	43,571	42,858
	(7.0)	(6.7)	(6.3)	(1.5)	(1.4)	(1.3)
100	1,90,555	1,81,420	1,80,584	1,90,555	1,81,421	1,80,584
	(15.3)	(13.9)	(13.3)	(6.7)	(5.8)	(5.4)
200	58,304	60,441	62,620	1,16,608	1,20,881	1,25,241
	(4.7)	(4.6)	(4.6)	(4.1)	(3.9)	(3.7)
500	3,86,790	4,55,468	5,16,338	19,33,951	22,77,340	25,81,690
	(31.1)	(34.9)	(37.9)	(68.4)	(73.3)	(77.1)
2000	24,510	21,420	18,111	4,90,195	4,28,394	3,62,220
	(2.0)	(1.6)	(1.3)	(17.3)	(13.8)	(10.8)
कुल	**12,43,671**	**13,05,326**	**13,62,137**	**28,26,863**	**31,05,721**	**33,48,228**

टिप्पणियाँ: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल मात्रा/ मूल्य में प्रतिशत भाग दर्शाते हैं।
2. संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।

स्रोत: आरबीआई।

सिक्के

VIII.6 वर्ष 2022-23 में संचलनगत सिक्कों का कुल मूल्य 8.1 प्रतिशत बढ़ा जबकि कुल मात्रा 2.6 प्रतिशत बढ़ी। 31 मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार, ₹1, ₹2 और ₹5 के सिक्के मिलाकर संचलनगत सिक्कों की कुल मात्रा का 83.1 प्रतिशत रहे, जबकि मूल्य के अनुसार इन मूल्यवर्गों का हिस्सा 72.3 प्रतिशत रहा (सारणी VIII.2)।

सारणी VIII.2: संचलनगत सिक्के (मार्च-अंत)

मूल्यवर्ग (₹)	मात्रा (संख्या लाख में)			मूल्य (करोड़ ₹ में)		
	2021	2022	2023	2021	2022	2023
1	2	3	4	5	6	7
छोटे सिक्के	1,47,880	1,47,880	1,47,880	700	700	700
	(12.0)	(11.9)	(11.6)	(2.6)	(2.5)	(2.3)
1	5,12,597	5,15,879	5,21,618	5,126	5,159	5,216
	(41.7)	(41.4)	(40.8)	(19.1)	(18.4)	(17.2)
2	3,37,863	3,40,792	3,47,277	6,757	6,816	6,946
	(27.5)	(27.3)	(27.1)	(25.1)	(24.4)	(23.0)
5	1,79,360	1,84,331	1,94,155	8,968	9,217	9,708
	(14.6)	(14.8)	(15.2)	(33.4)	(33.0)	(32.1)
10	51,391	54,044	59,764	5,139	5,404	5,976
	(4.2)	(4.3)	(4.7)	(19.1)	(19.3)	(19.8)
20	896	3,372	8,483	179	674	1,697
	(0.1)	(0.3)	(0.7)	(0.7)	(2.4)	(5.6)
कुल	**12,29,988**	**12,46,298**	**12,79,178**	**26,870**	**27,970**	**30,242**

टिप्पणियाँ: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल मात्रा/ मूल्य में प्रतिशत भाग दर्शाते हैं।
2. संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।

स्रोत: आरबीआई।

संचलनगत e₹ (डिजिटल रुपया)

VIII.7 31 मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार, संचलनगत e₹-होलसेल (e₹-डबल्यू) और e₹-रिटेल (e₹-आर) का मूल्य क्रमशः ₹10.69 करोड़ और ₹5.70 करोड़ था (सारणी VIII.3)।

मुद्रा प्रबंध आधार-संरचना

VIII.8 मुद्रा (बैंकनोट व सिक्के दोनों) के निर्गमन और इसके प्रबंधन का कार्य रिज़र्व बैंक देश में भर में फैले अपने 19 निर्गम कार्यालयों, 2,838 करेंसी चेस्टों और 2,293 छोटे सिक्कों के डिपो के माध्यम से करता है। 31 मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार, करेंसी चेस्ट में भारतीय स्टेट बैंक का हिस्सा सबसे ज्यादा (53.14 प्रतिशत) रहा (सारणी VIII.4)।

सारणी VIII.3: संचलनगत e₹ (मार्च-अंत)

(e₹)	मूल्यवर्ग (₹)	मात्रा (संख्या लाख में)	मूल्य (करोड़ ₹ में)
		2023	2023
1	2	3	4
e₹- रिटेल	0.5	2.7 (16.1)	0.01 (0.2)
	1	3.8 (22.2)	0.04 (0.7)
	2	2.8 (16.2)	0.06 (1.0)
	5	2.4 (13.9)	0.12 (2.1)
	10	1.5 (8.8)	0.15 (2.6)
	20	1.2 (6.8)	0.23 (4.1)
	50	0.8 (4.6)	0.39 (6.9)
	100	0.8 (4.8)	0.83 (14.5)
	200	0.6 (3.4)	1.16 (20.4)
	500	0.5 (3.2)	2.71 (47.5)
	2000	-	-
कुल e₹- रिटेल		17.1	5.70
कुल e₹- होलसेल		...	10.69
कुल e₹		**...**	**16.39**

- : शून्य. .. : लागू नहीं

टिप्पणियाँ: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल मात्रा/ मूल्य में प्रतिशत भाग दर्शाते हैं।
2. संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।

स्रोत: आरबीआई।

सारणी VIII.4: करेंसी चेस्ट और छोटे सिक्कों का डिपो

वर्ग	करेंसी चेस्ट की संख्या	छोटे सिक्कों के डिपो की संख्या
1	2	3
भारतीय स्टेट बैंक	1,508	1,273
राष्ट्रीयकृत बैंक	1,095	827
निजी क्षेत्र के बैंक	220	179
सहकारी बैंक	5	5
विदेशी बैंक	4	3
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	5	5
भारतीय रिज़र्व बैंक	1	1
कुल	**2,838**	**2,293**

स्रोत: आरबीआई।

मुद्रा की मांग और आपूर्ति

VIII.9 वर्ष 2022-23 के लिए बैंकनोटों की मांग और आपूर्ति दोनों में एक वर्ष पहले की तुलना में 1.6 प्रतिशत की हल्की बढ़त हुई (सारणी VIII.5)।

सारणी VIII.5:बैंकनोटों की मांग और बीआरबीएनएमपीएल और एसपीएमसीआईएल द्वारा आपूर्ति (अप्रैल से मार्च)

(संख्या लाख में)

मूल्यवर्ग (₹)	2020-21		2021-22		2022-23	
	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति
1	2	3	4	5	6	7
5	-	-	-	-	-	-
10	2,840	2,846	7,500	7,510	6,000	6,000
20	48,750	38,520	20,000	20,000	20,000	19,999
50	14,000	13,887	15,000	15,000	20,000	20,000
100	40,000	37,270	40,000	40,002	60,000	60,000
200	15,000	15,106	12,000	11,991	20,000	20,000
500	1,06,000	1,15,672	1,28,000	1,28,003	1,00,000	1,00,004
2000	-	-	-	-	-	-
कुल	**2,26,590**	**2,23,301**	**2,22,500**	**2,22,505**	**2,26,000**	**2,26,002**

- : शून्य.
बीआरबीएनएमपीएल: भारतीय रिज़र्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड
एसपीएमसीआईएल: भारतीय प्रतिभूति मुद्रण और मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड

टिप्पणी: संभव है कि पूर्णांकन के कारण कॉलम में दिए गए आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।

स्रोत: आरबीआई।

सारणी VIII.6:सिक्कों की मांग और टकसालों द्वारा आपूर्ति (अप्रैल से मार्च)

(संख्या लाख में)

मूल्यवर्ग (₹)	2020-21		2021-22		2022-23	
	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति
1	2	3	4	5	6	7
1	1,000	1,000	-	-	1,000	1,000
2	9,500	6,718	2,000	2,000	3,000	3,000
5	11,000	10,995	2,000	2,000	3,000	3,000
10	5,500	5,852	2,000	2,000	1,000	1,002
20	3,000	5,061	2,000	2,000	2,000	2,000
कुल	**30,000**	**29,626**	**8,000**	**8,000**	**10,000**	**10,002**

-: शून्य

स्रोत: आरबीआई।

VIII.10 वर्ष 2022-23 में सिक्कों की मांग और आपूर्ति पिछले वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक रहे (सारणी VIII.6)।

गंदे नोटों का निपटान

VIII.11 वर्ष 2022-23 के दौरान गंदे नोटों का निपटान, पिछले वर्ष के 1,878.01 करोड़ नोट से 22.1 प्रतिशत बढ़कर 2,292.64 करोड़ नोट हो गया (सारणी VIII.7)।

सारणी VIII.7: गंदे नोटों का निपटान (अप्रैल से मार्च)

(संख्या लाख में)

मूल्यवर्ग (₹)	2020-21	2021-22	2022-23
1	2	3	4
2000	4,548	3,847	4,824
1000	-	-	-
500	5,909	22,082	51,092
200	1,186	6,167	13,062
100	42,433	59,203	58,282
50	12,738	27,696	34,219
20	10,325	20,771	21,393
10	21,999	46,778	45,077
5 तक	564	1,257	1,315
कुल	**99,702**	**1,87,801**	**2,29,264**

- : लागू नहीं

टिप्पणी: संभव है कि पूर्णांकन के कारण कॉलम में दिए गए आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।

स्रोत: आरबीआई।

जाली नोट

VIII.12 वर्ष 2022-23 के दौरान, बैंकिंग क्षेत्र में पकड़े गई नकली भारतीय मुद्रा नोटों (एफआईसीएन) में से 4.6 प्रतिशत रिज़र्व बैंक में और 95.4 प्रतिशत अन्य बैंकों में पकड़े गए (सारणी VIII.8)।

VIII.13 गत वर्ष की तुलना में, ₹20 और ₹500 (नई डिजाइन) के मूल्यवर्ग में पकड़े गए जाली नोटों में क्रमशः 8.4 प्रतिशत और 14.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ₹10, ₹100, और ₹2000 के मूल्य वर्ग में पकड़े गए जाली नोटों में क्रमशः 11.6

सारणी VIII.8: पकड़े गए जाली नोटों की संख्या (अप्रैल से मार्च)

(नोटों की संख्या)

वर्ष	रिज़र्व बैंक में पकड़े गए	अन्य बैंकों में पकड़े गए	कुल
1	2	3	4
2020-21	8,107	2,00,518	2,08,625
	(3.9)	(96.1)	(100.0)
2021-22	15,878	2,15,093	2,30,971
	(6.9)	(93.1)	(100.0)
2022-23	10,465	2,15,304	2,25,769
	(4.6)	(95.4)	(100.0)

टिप्पणियाँ: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल का प्रतिशत भाग दर्शाते हैं।

2. डेटा में पुलिस और अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा जब्त किए गए जाली नोट शामिल नहीं हैं।

स्रोत: आरबीआई।

सारणी VIII.9: बैंकिंग प्रणाली में पकड़े गए जाली नोट-मूल्यवर्ग के अनुसार (अप्रैल से मार्च)

(नोटों की संख्या)

मूल्यवर्ग (₹)	2020-21	2021-22	2022-23
1	2	3	4
2 और 5	9	1	3
10	304	354	313
20	267	311	337
50	24,802	17,696	17,755
100	1,10,736	92,237	78,699
200	24,245	27,074	27,258
500 (विनिर्दिष्ट बैंकनोट)	9	14	6
500	39,453	79,669	91,110
1000 (विनिर्दिष्ट बैंकनोट)	2	11	482
2000	8,798	13,604	9,806
कुल	**2,08,625**	**2,30,971**	**2,25,769**

स्रोत: आरबीआई।

प्रतिशत, 14.7 प्रतिशत और 27.9 प्रतिशत की कमी आई (सारणी VIII.9)।

प्रतिभूति मुद्रण पर व्यय

VIII.14 पिछले वर्ष के ₹4,984.80 करोड़ की तुलना में 2022-23 के दौरान प्रतिभूति मुद्रण पर कुल व्यय ₹4,682.80 करोड़ था।

3. वर्ष 2022-23 के लिए कार्ययोजना

VIII.15 विभाग ने 2022-23 के लिए निम्नलिखित लक्ष्य निर्धारित किए थे:

- नए श्रेडिंग और ब्रिकेटिंग सिस्टम (एसबीएस) की खरीद [*उत्कर्ष*] (पैराग्राफ VIII.16);
- बैंकनोटों की सुरक्षा विशेषताओं की सुदृढ़ता की जांच के लिए नवीनतम शोध करने के लिए अत्याधुनिक व्यवस्था की स्थापना और नई सुरक्षा विशेषताएं आरंभ करना (*उत्कर्ष*) [पैराग्राफ VIII.17];
- मुद्रा प्रबंध में स्वचालन और व्यवस्थागत पक्ष (लॉजिक्स्टिक्स) पर अध्ययन (पैराग्राफ VIII.18);
- दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए मोबाइल एडेड नोट आइडेंटिफायर (मनी) एप – एप में पहले से उपलब्ध हिन्दी और अंग्रेजी भाषा के अलावा 11 क्षेत्रीय भाषाएं आरंभ करना (पैराग्राफ VIII.19); और
- भुगतान के लिए नकदी, सिक्के और डिजिटल माध्यम के उपयोग पर सर्वेक्षण (पैराग्राफ VIII.20)।

कार्यान्वयन की स्थिति

नए श्रेडिंग और ब्रिकेटिंग सिस्टम (एसबीएस) की खरीद

VIII.16 संचलन के लिए अनुपयुक्त पाए गए नोटों के निपटान के लिए अत्याधुनिक श्रेडिंग और ब्रिकेटिंग मशीनों की खरीद के लिए एक वैश्विक रुचि पत्र (ईओआई) जारी किया गया था। पात्र ईओआई आवेदकों को प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी) जारी कर क्रय प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है।

बैंकनोटों की सुरक्षा विशेषताओं की सुदृढ़ता की जांच के लिए नवीनतम शोध करने के लिए अत्याधुनिक व्यवस्था की स्थापना और नई सुरक्षा विशेषताएं आरंभ करना

VIII.17 मुद्रा अनुसंधान केंद्र के पहले चरण के तहत, भारतीय रिज़र्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड (बीआरबीएनएमपीएल) के मैसूरु परिसर में एक प्रतिकूल विश्लेषण[2] प्रयोगशाला के परिचालन की दिशा में प्रगति हुई है।

मुद्रा प्रबंध में स्वचालन और व्यवस्थागत पक्ष पर अध्ययन

VIII.18 विभाग ने आईआईटी बॉम्बे को मुद्रा प्रबंध में स्वचालन और लॉजिक्स्टिक्स पर अध्ययन का कार्य सौंपा है। अध्ययन का दायरा मुद्रा नेटवर्क डिजाइन को समझना और तैयार करना, प्रक्रियाओं के यांत्रिकीकरण और स्वचालन की संभावना की जांच करना और शेड्यूलिंग और इन्वेंट्री प्रबंधन में सुधार करना था। उक्त रिपोर्ट प्राप्त हो गई है और इसकी जांच की जा रही है।

[2] प्रतिकूल विश्लेषण में जाली नोट बनाने के जोखिम के आकलन के लिए प्रशिक्षित विशेषज्ञों/ तकनीशियनों द्वारा व्यवसायिक रूप से उपलब्ध सामग्री और उपकरण का उपयोग कर बैंकनोटो का इन-हाउस सिमुलेशन किया जाता है।

मोबाइल एडेड नोट आइडेंटिफायर (मनी) – बहुभाषी श्रव्य नोटिफिकेशन का आरंभ और 'आंशिक दृष्टि' वाले व्यक्तियों द्वारा मनी ऐप के उपयोग का विकल्प उपलब्ध करना

VIII.19 वर्ष के दौरान मनी ऐप में दो नई सुविधाएं आरंभ की गईं। अब यह पहले से उपलब्ध हिंदी और अंग्रेजी के अलावा 11 नई भाषाओं (असमिया, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओडिया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और उर्दू) में ऑडियो सूचना द्वारा बैंकनोट के मूल्यवर्ग की पहचान कर सकता है। ऐप को 'आंशिक दृष्टि' वाले व्यक्तियों द्वारा उपयोग के लिए भी सक्षम बनाया गया है।

भुगतान के लिए बैंकनोट, सिक्कों और डिजिटल माध्यम के उपयोग पर सर्वेक्षण

VIII.20 भुगतान और निपटान प्रणाली विभाग (डीपीएसएस) की सहभागिता में एक देशव्यापी सर्वेक्षण शुरू किया गया जिसका उद्देश्य सिक्कों और बैंकनोटों की मांग, मांग को प्रभावित करने वाले कारकों, सिक्कों और बैंकनोटों के लिए मांग की कमी के कारणों (यदि कोई हों) का आकलन, बैंकनोटों, सिक्कों और भुगतान के डिजिटल तरीकों के उपयोग के लिए सीमा और वरीयता, बैंकनोटों और सिक्कों की कमी/ अधिकता (मौसम के अनुसार/मूल्यवर्ग के अनुसार) आदि था।

प्रमुख गतिविधियां

सिक्कों के वितरण के लिए मोबाइल सिक्का वैन (एमसीवी) पर पायलट परियोजना

VIII.21 देश के दूरस्थ भागों में सिक्के उपलब्ध हों, यह सुनिश्चित करने के लिए रिज़र्व बैंक के प्रयासों के क्रम में, कुछ बैंकों द्वारा 1 अक्टूबर 2022 से चुनिंदा राज्यों में पायलट आधार पर एमसीवी का परिचालन किया जा रहा है। प्राप्त अनुभव के आधार पर, इस पहल को और राज्यों में विस्तारित किया जा रहा है।

मुद्रा संबंधी विषयों पर माइक्रोसाइट

VIII.22 भारतीय मुद्रा पर नई माइक्रोसाइट बैंकनोटों की इंटरएक्टिव 360 डिग्री छवि और विभिन्न मल्टीमीडिया विकल्पों के माध्यम से डिजाइन और सुरक्षा सुविधाओं पर जानकारी प्रदर्शित करेगी।

बैंकनोटों के बदलने और सिक्कों की स्वीकार्यता से संबंधित जागरूकता अभियान

VIII.23 ग्राहक सेवाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने और सूचना का प्रसार करने के लिए एसएमएस, एफएम रेडियो और डिजिटल मीडिया (वेबसाइट) के माध्यम से 'बैंकनोटों के बदलने' पर अभियान चलाया गया।

VIII.24 जनता द्वारा सिक्कों की व्यापक स्वीकृति को प्रोत्साहित करने के लिए, रिज़र्व बैंक ने वर्ष के दौरान एक ही मूल्यवर्ग के विभिन्न डिजाइनों के संचलनगत सिक्कों के संबंध में भ्रामक धारणाओं और आशंकाओं को दूर करने के लिए एक अभियान शुरू किया।

क्यूआर कोड-आधारित सिक्का वेंडिंग मशीन पर पायलट परियोजना

VIII.25 जनता तक सिक्कों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए, रिज़र्व बैंक ने डायनेमिक क्विक रेस्पॉन्स (क्यूआर) कोड-आधारित सिक्का वेंडिंग मशीन (क्यूसीवीएम) पर एक पायलट परियोजना की अवधारणा बनाई है, जो यूपीआई का उपयोग करने वाली कैशलेस सिक्का वितरण प्रणाली है। पायलट परियोजना को देश भर के 12 शहरों में 19 स्थलों पर शुरू किया जा रहा है (बॉक्स VIII.1)।

बॉक्स VIII.1
क्यूआर कोड-आधारित सिक्का वेंडिंग मशीन (क्यूसीवीएम) पर पायलट प्रोजेक्ट

सिक्का निर्माण अधिनियम, 2011 के अनुसार, भारत सरकार को एक रुपये के नोट सहित सिक्कों का उत्पादन/ढलाई करने का एकमात्र अधिकार है। ये सिक्के भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 38 के अनुसार केवल रिज़र्व बैंक के माध्यम से संचलन के लिए जारी किए जाते हैं।

वर्तमान में, सिक्कों को बड़े पैमाने पर सभी बैंक शाखाओं में काउंटरों के माध्यम से वितरित किया जाता है। हाल ही में कई उपाय किए गए हैं जैसे सिक्कों के वितरण के लिए बैंकों को प्रोत्साहन बढ़ाना, सिक्का वितरण के लिए मोबाइल सिक्का वैन का उपयोग करना, जिसमें उप-शहरी, ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है और करेंसी चेस्ट शाखाओं द्वारा सिक्का मेले आयोजित किए गए हैं।

प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सिक्कों के वितरण में और सुधार करने के लिए, रिज़र्व बैंक ने पांच बैंकों (अर्थात् एक्सिस बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और फेडरल बैंक) के सहयोग से क्यूसीवीएम पर एक पायलट परियोजना शुरू की है।

क्यूसीवीएम एक कैशलेस सिक्का वितरण प्रणाली है जो ग्राहक के मोबाइल फोन पर मशीन द्वारा उत्पन्न गतिशील क्यूआर कोड को स्कैन करने पर यूपीआई के माध्यम से भुगतान लेनदेन की अनुमति देती है।

नकदी-आधारित पारंपरिक सिक्का वेंडिंग मशीनों के विपरीत, क्यूसीवीएम बैंकनोटों की भौतिक टेंडरिंग और उनके बाद के प्रमाणीकरण की आवश्यकता को समाप्त करता है। इसके अलावा, क्यूसीवीएम में, ग्राहकों के पास आवश्यक मात्रा और मूल्यवर्ग में सिक्कों को लेने का विकल्प होगा।

पायलट परियोजना शुरू में देश भर के 12 शहरों (अहमदाबाद, बड़ौदा, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, कानपुर, कोलकाता, मुंबई, नई दिल्ली, पटना, प्रयागराज और कोझीकोड) में 19 स्थानों पर शुरू की जा रही है।

स्त्रोत: आरबीआई।

भारतीय बैंकनोटों के लिए नई सुरक्षा विशेषताओं की खरीद

VIII.26 रिज़र्व बैंक बैंकनोटों के लिए नई/ उन्नयित सुरक्षा विशेषताएं आरंभ करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए सक्रिय है।

एटीएम पारितंत्र में नकदी वितरण और संबंधित मुद्दों की वर्तमान प्रणाली की समीक्षा

VIII.27 जनता को इष्टतम मिश्रित मूल्यवर्ग में स्वच्छ नोटों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने और एटीएम में ग्राहक अनुभव बेहतर बनाने के लिए, एटीएम पारितंत्र में नकदी वितरण और संबंधित मुद्दों की वर्तमान प्रणाली की समीक्षा करने के लिए एक समिति का गठन किया गया था। समिति ने अन्य मुद्दों के अलावा बैंकों और व्हाइट लेबल एटीएम के इन्फ्रास्ट्रक्चर का लाभ उठाने से संबंधित मुद्दों की जांच की ताकि उच्च एटीएम अपटाइम और विशेष रूप से पूर्वोत्तर/पहाड़ी क्षेत्रों जैसे दूरदराज और कम सेवा वाले स्थानों में बेहतर मुद्रा वितरण सुनिश्चित किया जा सके। समिति ने एटीएम डाउनटाइम, कैसेट स्वैप, एटीएम/कैश रिसाइकलर्स की सुरक्षा और एटीएम पारितंत्र में प्रोत्साहन और हतोत्साहन की आवश्यकता संबंधी मौजूदा अनुदेशों की समग्र समीक्षा भी की।

4. भारतीय रिज़र्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लि. (बीआरबीएनएमपीएल)

VIII.28 भारतीय रिज़र्व बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बीआरबीएनएमपीएल बैंक नोटों के डिजाइन, मुद्रण और आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। बीआरबीएनएमपीएल प्रेसों से करेंसी चेस्ट को प्रत्यक्ष बैंकनोट प्रेषण में वृद्धि हुई है, जिससे व्यवस्थागत पक्ष की दक्षता और लागत प्रभाविता में वृद्धि हुई है।

5. 2023-24 के लिए कार्यसूची

VIII.29 इस वर्ष के दौरान विभाग निम्नलिखित पर ध्यान केंद्रित करेगा:

- मुद्रा प्रबंध में उच्च दक्षता प्राप्त करने के लिए मुद्रा नेटवर्क डिजाइन, मशीनीकरण और स्वचालन, और शेड्यूलिंग और इन्वेंट्री प्रबंधन पर रिपोर्ट की सिफारिशों के आधार पर एक कार्यान्वयन कार्यक्रम तैयार करना;
- बैंकनोटों पर नवीनतम अनुसंधान करने के लिए एक अत्याधुनिक सुविधा की स्थापना (*उत्कर्ष* 2.0);

- संचलन में नोटों की गुणवत्ता पर सर्वेक्षण करना (*उत्कर्ष* 2.0);
- नकदी उपयोग संकेतक विकसित करना (*उत्कर्ष* 2.0);
- नकदी वितरण के मौजूदा तंत्र और एटीएम पारितंत्र में संबंधित मुद्दों की समीक्षा के लिए समिति की सिफारिशों का कार्यान्वयन; और
- निर्धारित छंटाई मानकों के अनुरूप नोट छंटाई मशीनों के प्रमाणन की प्रक्रिया को संस्थागत बनाना।

6. निष्कर्ष

VIII.30 2022-23 के दौरान, रिज़र्व बैंक ने मुद्रा प्रबंध पारितंत्र की दक्षता बढ़ाने, विनिमय सुविधा पर ध्यान केंद्रित करते हुए बैंकनोटों और सिक्कों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया, साथ-साथ जनता को पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ बैंकनोट उपलब्ध कराए। भविष्य में, रिज़र्व बैंक का प्रयास बैंक नोटों की सत्यता को सुदृढ़ करने, बैंकनोट वितरण की दक्षता और प्रभाविता को बढ़ाने के साथ-साथ अन्य भुगतान स्वरूपों की तुलना में नकदी के प्रति सार्वजनिक रुझान को समझने के लिए विश्लेषणात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देना होगा।